6. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कीजिए।
   (क) कहि कहि आवन छबीले मनभावन को, गहि गहि राखति ही दैं दैं सनमान को।
   (ख) कूक भरी मूकता बुलाय आप बोलि है।
   (ग) अब न घिरत घन आनंद निदान को।
7. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–
   (क) बहुत दिनान को अवधि आसपास परे / खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को
   (ख) मौन हू सौं देखिहौं कितेक पन पालिहौ जू / कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै।
   (ग) तब तौ छबि पीवत जीवत हे, अब सोचन लोचन जात जरे।
   (घ) सो घनआनंद जान अजान लौं टूक कियौ पर वाँचि न देख्यौ।
   (ड.) तब हार पहार से लागत हे, अब बीच में आन पहार परे।
8. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए–
   (क) झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास है, कै ····· चाहत चलन ये संदेसो लै सुजान को।
   (ख) जान घनआनंद यों मोहिं तुम्है पैज परी ····· कबहूँ तौ मेरियै पुकार कान खोलि है।
   (ग) तब तौ छबि पीवत जीवत हे ····· बिललात महा दुख दोष भरे।
   (घ) ऐसो हियो हित पत्र पवित्र ····· टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ।

योग्यता-विस्तार

1. निम्नलिखित कवियों के तीन-तीन कवित्त और सवैया एकत्रित कर याद कीजिए–
   तुलसीदास, रसखान, पद्माकर, सेनापति
2. पठित अंश में से अनुप्रास अलंकार की पहचान कर एक सूची तैयार कीजिए।

शब्दार्थ और टिप्पणी

पत्यानि	–	विश्वास करना	**टरे**	–	हट गए
आनाकानी	–	टालने की बात	**आन-कथा**	–	अन्य बात
आरसी	–	हथेली द्वारा अँगूठे में पहना जाने वाला शीशा जड़ा आभूषण	**हार**	–	माला
			पयान	–	प्रयाण, गमन
			बिललात	–	व्याकुल
कूकभरी	–	पुकार भरी	**मीत**	–	मित्र
पैज	–	बहस	**पन**	–	प्रण
बहरायबे	–	बहरे बनने की, कानों से न सुनने की	**हितपत्र**	–	प्रेम पत्र
			अवरेख्यौ	–	लिखा, अंकित किया
छबि पीवत	–	शोभा (अमृत) का पान करते हुए			
तोष	–	संतोष			
साज	–	विधान			
हे	–	थे			

© NCERT not to be republished